केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 239 शुक्रवार 28 मार्च 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

किशोरी की हत्या मामले में एक गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा पुलिस ने मुंबई से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जोगिया पाठक गांव में फोन से बात करने से नाराज होकर किशोरी की हत्या कर पंखे से शव लटकाने के मामले में यह कार्रवाई की गई है। आरोपी रॉकी जान मैथ्यू को ट्रांजिट रिमांड पर लाकर बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस के अनुसार मृतका गिरफ्तार किए गए आरोपी से फोन पर अक्सर बात करती थी।

बता दें कि 14 दिसम्बर को थाना क्षेत्र के जोगिया पाठक गांव में 16 वर्षीय प्रीति का शव फंदे से लटका पाया गया था। पांच दिन बाद मृतका की मां माया देवी पत्नी चिनगी प्रसाद ने अपने ससुर व दो देवर के ऊपर यह कहते हुए हत्या कर फंदे से लटकाने का आरोप लगाया था कि मेरी बेटी को मोबाइल पर बात करने से यह लोग चिढ़ते थे।

पुलिस ने मृतका के बाबा रामसवारे, चाचा शेखर व विरजू पर जानमाल की धमकी देने व हत्या कर शव को पंखे से लटकाने के बाद अज्ञात स्थान पर ले जाकर जलाने के मामले में केस दर्ज किया था। एसएचओ मोतीचंद राजभर ने बताया विवेचना के दौरान मृतका के फोन की छानबीन करने पर महाराष्ट्र के पालघर जनपद के खानीवली निवासी राकी जान मैथ्यू का नाम सामने आया। जिसे टीम ने सोमवार को पाडरी रेलवे स्टेशन के बगल से गिरफ्तार किया। ट्रांजिट रिमांड पर उसे बस्ती आया गया है।

दो घरों में चोरी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के दो गांवों में चोरों ने दो घरों को निशाना बनाया। चोरों ने नकदी व जेवरात पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सुबह जानकारी होने पर पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गई। थानाक्षेत्र के बनवधिया में शिवशंकर पांडेय के घर में छत के रास्ते चोर अन्दर घुसे। एक कमरे में रखे तीन बक्से उठा लिया।

छात्रों में किया वैदिक साहित्य का वितरण

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश की योगी सरकार के सेवा, सुरस्वामी दयानंद पूर्व माध्यमिक विद्यालय सुरतीहट्टा बस्ती में कक्षा 8 के बच्चों का दीक्षांत समारोह वैदिक यज्ञ के माध्यम से संपन्न हुआ। वैदिक कराते हुए गरुड़ ध्वज पाण्डेय ने बच्चों को माता–पिता और गुरु को देवता मानकर उनके उचित आदेशों को शिरोधार्य करके पालन करने का व्रत दिलाया, साथ ही स्वाध्याय में प्रमाद न करने का भी संकल्प दोहराया। बच्चों ने वैदिक मित्रों से आहुतियां देते हुए ये व्रत ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक अरविंद श्रीवास्तव ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि हमें एक लक्ष्य निर्धारित करके इस पर पूरा पुरुषार्थ करना चाहिए। कार्यक्रम में अनूप कुमार त्रिपाठी, दिनेश मौर्य, नितीश कुमार और अनीशा मिश्रा ने बच्चों को सफलता के सूत्र देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर कक्षा 7 के बच्चों ने कक्षा 8 के बच्चों को महर्षि दयानन्द सरस्वती की जीवनी और आर्य मान्यताएं नामक पुस्तक भेंट कर निरन्तर स्वाध्याय का अनुरोध किया। इस कार्यक्रम में लक्ष्मी, तिलक राज, अनन्या, नंदिनी, प्रियांशु, आकाश कुमार, अमृता, अर्पिता, अमरेन्द्र, विकास चौरसिया,आरुषि, श्रेया सहित सभी बच्चों ने भावुकता से अनुभव बताए। शान्ति पाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

यूपी बनेगा अब स्वास्थ्य पर्यटन का केंद्र, आठ साल में मिली 8.30 लाख युवाओं को नौकरी –योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आयुष के क्षेत्र में स्वास्थ्य टूरिज्म की संभावनाएं हैं। प्रदेश में शुद्ध वातावरण और प्रचुर जल संसाधन स्वास्थ्य टूरिज्म के लिए अनुकूल हैं। हमने धार्मिक टूरिज्म में उत्तर प्रदेश को नंबर एक बनाया है। अब स्वास्थ्य टूरिज्म में भी इसे शीर्ष पर ले जाएंगे। आयुष हॉस्पिटल और वेलनेस सेंटर इसके नए केंद्र बन सकते हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से अपील की कि लोगों को प्राकृतिक खेती व संतुलित जीवनशैली के प्रति जागरूक करें। वह बृहस्पितवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में आयुष विभाग और गृह विभाग के चिकित्सा अधिकारियों और कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नवचयनितों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सेवा नारों या भाषणों से नहीं, बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से होती है। पूरी तत्परता और पारदर्शिता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, ताकि उत्तर प्रदेश देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ सके। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद यह न सोचें कि ड्यूटी न करना आपका अधिकार है। जैसा करेंगे, वैसा फल पाएंगे। देश की सेवा नारों या भाषणों से नहीं, बल्कि ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने से होती है। एफएसएल लैब के 96 कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए कहा कि जुलाई 2024 में लागू तीन नए कानूनों में एफएसएल लैब की भूमिका अहम है। किसी भी पीड़ित को समय से न्याय मिले और अपराधी को सजा दिलाने के लिए साक्ष्य जरूरी हैं। इस दौरान एफएसडीए एवं आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव आयुष रंजन कुमार आदि मौजूद रहे।

समारोह में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग और उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 283 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसमें आयुष विभाग के 163 चिकित्सा अधिकारी, दो रीडर (आयुर्वेद), 19 प्रोफेसर, 3 प्रवक्ता (होम्योपैथी) और गृह विभाग के तहत विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के 96 कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक शामिल हैं।

बार एसोसिएशन करेगा कार्य बहिष्कार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद बार एसोसिएशन ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर सेन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यह फैसला लिया गया। अधिवक्ताओं ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास से बरामद अरबों रुपये के मामले पर गहरी चिंता जताई।

इसके साथ ही बस्ती कचहरी में व्याप्त मुंशीराज और भ्रष्टाचार पर भी नाराजगी व्यक्त की। वकीलों ने नाबालिग आदर्श उपाध्याय की पुलिस द्वारा अवैध वसूली के दौरान हुई हत्या का विरोध किया। अधिवक्ताओं का आरोप है कि न्यायालय में कार्यरत निजी मुंशी फाइलों से महत्वपूर्ण कागजात निकालकर विपक्षी पक्ष को देते हैं। वे तारीखों में हेराफेरी करते हैं। फैसलों को प्रभावित करने के लिए दलाली भी करते हैं।

बैठक में सर्वसम्मति से यह तय किया गया कि जब तक इन समस्याओं का समाधान नहीं होता, वकील न्यायिक कार्य में सहयोग नहीं करेंगे। इस निर्णय की सूचना संबंधित अधिकारियों को भेजी जाएगी। बैठक में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप पांडेय, रजनीश दूबे, अजय त्रिपाठी, अनिल शुक्ला, रमेश पांडेय, शिवशंकर श्रीवास्तव सहित कई वरिष्ठ अधिवक्ता मौजूद थे।

अवैध ई-रिक्शा और ऑटो के खिलाफ अभियान 1 से

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद परिवहन विभाग अवैध ई–रिक्शा व ऑटो वालों के खिलाफ कार्रवाई को और तेज करने जा रहा है। इसके लिए, परिवहन विभाग की तरफ से राजधानी लखनऊ समेत सभी जनपदों में पहली से 30 अप्रैल तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस विषय में परिवहन आयुक्त ने अभियान की सफलता के लिए समस्त पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानून व्यवस्था के संबंध में बैठक ली थी। इसमें सीएम योगी ने निर्देश दिया था कि टेंपो, ई–रिक्शा चालकों का प्राथमिकता के साथ वेरीफिकेशन कराया जाए। उन्होंने इस बात को लेकर भी विशेष रूप से फोकस किया था कि प्रदेश में नाबालिग वाहन न चलाएं। किरायेदारों का भी वेरीफिकेशन कराया जाए तथा ओवरलोडिंग को जीरो प्वाइंट पर ही रोका जाए। इसके लिए जनपदों में गठित टास्क फोर्स में परिवहन विभाग के अधिकारियों को भी शामिल किया जाए। इन सभी निर्देशों के पालन और उचित क्रियान्वयन के लिए परिवहन विभाग द्वारा अप्रैल माह में विशेष अभियान चलाया जाएगा।

परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने समस्त जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्त व एसएसपी, एसपी को पत्र लिखा है।

नगर पालिका क्षेत्र में बदंरों के आतंक से मुक्ति के लिये शुरू हुआ विशेष अभियान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती नगर पालिका क्षेत्र के निवासियों को बंदरों के आतंक से मुक्ति दिलाने के लिये सभी 25 वार्डो में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह जानकारी देते हुये नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा के प्रतिनिधि और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अंकुर वर्मा ने बताया कि बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं। आये दिन बंदरों द्वारा लोगों को काट लेने, घरों में नुकसान पहुंचाने के मामले आ रहे थे। इसे देखते हुये मथुरा से बंदरों को पकड़ने वाले विशेषज्ञों को बुलाया गया है। पकड़े गये बंदरों को सुरक्षित जंगलों में भेजा जायेगा। गुरूवार को इसकी शुरूआत कम्पनी बाग वार्ड से हुई।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ने बताया कि सभी 25 वार्डो के सभासदों से आग्रह किया गया है कि वे अपने–अपने वार्डो में बंदरों को पकड़ने के अभियान में विशेषज्ञों की मदद कर जिससे पालिका क्षेत्र में नागरिकों को बंदरों से मुक्ति मिल सके। बताया कि मथुरा से बंदरों को पकड़ने वाले विशेषज्ञों ने चरणबद्ध ढंग से अपना कार्य आरम्भ कर दिया है । जब वे बंदरों को पकड़ते हैं तो लोग स्वतः जुट जाते हैं। नगर पालिका अध्यक्ष नेहा वर्मा ने कहा कि अति शीघ्र पालिका क्षेत्र के लोगों को बंदरों के आतंक से मुक्ति मिल जायेगी। कहा कि उन्होने चुनावी घोषणा पत्र में जो वायदे किये थे उसे चरणबद्ध ढंग से पूरा किया जा रहा है। अति शीघ्र अनेक बड़े परियोजनाओं पर कार्य शुरू कराया जायेगा। इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आग्रह किया गया जिस पर उन्होने आश्वासन दिया है कि विकास के लिये बस्ती नगर पालिका क्षेत्र में धन की कमी नहीं होने पायेगी।

नाबालिग आदर्श के मौत मामले में एसओ लाइन हाजिर, दो सिपाही निलम्बितः नये थानाध्यक्ष की तैनातीः सियासत गरमाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती।` दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव निवासी नाबालिग आदर्श की संदिग्ध मौत के बाद सियासत शुरू हो गई। पुलिस पर लगे पिटाई के आरोपों को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष एक सुर में दिखे। पोस्टमार्टम हाउस से लेकर अन्त्येष्टि स्थल तक नेताओं का जमावड़ा लगा रहा। न्याय की मांग को लेकर दबाव इतना बढ़ा कि आखिरकार एसओ जितेंद्र सिंह को लाइन हाजिर कर दिया गया, जबकि दो सिपाहियों को निलंबित कर पुलिस लाइन से अटैच किया गया।

बुधवार देर रात भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा के नेतृत्व में

कार्यकर्ताओं ने डीएम आवास के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि अपनी ही सरकार में भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस के खिलाफ सड़क पर उतरना पड़ा। उधर, कलेक्ट्रेट में सपा विधायक महेंद्र यादव और कप्तानगंज विधायक अतुल चौधरी ने मोर्चा संभाला।

भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्रा ने डीएम और अधिकारियों के साथ गोपनीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने एसपी का आदेश हाथ में लेकर बाहर आए और बताया कि एसओ को लाइन हाजिर कर दिया गया है, जबकि दो सिपाही सस्पेंड कर दिए गए हैं। हालांकि, मृतक के चाचा भीम उपाध्याय ने इस कार्रवाई को नाकाफी बताया।

उन्होंने कहा, 'जब तक दोषी पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज नहीं होता और वे जेल नहीं जाते, तब तक हमें न्याय नहीं मिलेगा।' घटनाक्रम के बाद दुबौलिया थाने में नए एसओ के रूप में प्रदीप कुमार सिंह की तैनाती कर दी गई है। वहीं, पूरे मामले को लेकर इलाके में तनाव बरकरार है।

नाबालिग आदर्श के मौत मामले में कांग्रेस ने किया परिजनों को एक करोड़ का मुआवजा दिलाने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

–दोषी पुलिस कर्मियों पर दर्ज हो हत्या का मुकदमा–विश्व विजय सिंह

बस्ती। कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मण्डल ने गुरूवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी के संयोजन में दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव पहुंचकर पुलिसिया पिटाई से नाबालिग आदर्श के मौत के मामले में पीड़ित परिवार को सात्वंना दिया। आदर्श की मौत के लिये पुलिस प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुये कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विश्व विजय सिंह ने मांग किया कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय और पीड़ित परिवार को एक करोड़ का मुआवजा दिया जाय।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी ने आदर्श के परिजनों से मिलकर हर स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया। कहा कि प्रदेश में कानून का राज खतरे में पड़ गया है और पुलिस पूरी तरह से मनमानी कर रही है। कांग्रेस इसे बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता देवेन्द्र श्रीवास्तव, वृजेश आर्य ने कहा कि योगी की सरकार में आम आदमी पूरी तरह से असुरक्षित है। मांग किया कि आदर्श की मौत के जिम्मेदार दुबौलिया थाने के पुलिस कर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कराकर दुःखी परिवार को न्याय दिलाया जाय।

नाबालिग आदर्श के मौत के मामले में परिजनों से मिलकर ढाढस बंधाने वालों में मुख्य रूप से कर्नल ए.के. सिंह, अनिल भारती, राकेश मणि त्रिपाठी, संदीप श्रीवास्तव, अलीम अख्तर, राज बहादुर निषाद, डा. वाहिद सिद्दीकी, अजय सिंह, शौकत अली नन्हू, चन्द्रशेखर चौधरी, राजकपूर, सुधीर यादव, शुभम गांधी आदि शामिल रहे।

योगी सरकार के 8 वर्ष चौमुखी विकास की दिशा में मील का पत्थरः दिया योजनाओं की जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रदेश की योगी सरकार के सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन के नीति पर आठ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर यू.पी. भारत का ग्रोथ इंजन की थीम आधारित जनपद मुख्यालय पं. दीनदयाल अटल बिहारी बाजपेयी प्रेक्षागृह में तृतीय दिवस में मुख्य अतिथि गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष उ0प्र0 महेश कुमार शुक्ल ने उ0प्र0 नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण, उ0प्र0 कौशल विकास मिशन, व्यवसायिक शिक्षा, दुग्ध विकास, मत्स्य, विद्युत, स्वास्थ्य, गन्ना, रेशम, वन, पशुपालन, उद्यान, कृषि, बाल विकास एवं पुष्टाहार, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, ग्राम्य विकास स्वतः रोजगार, जिला प्रोबेशन, समाज कलयाण, पंचायती राज, यातायात पुलिस, पुलिस विभाग, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो. नि., बेसिक शिक्षा, जिला पर्यटन एवं सांस्कृतिक, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, खाद्य एवं रसद, जिला नगरीय विकास अभिकरण विभागों के लगे प्रदर्शनी/स्टाल तथा सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा लगी प्रदर्शनी सबका साथ, सबका विकास चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश कुमार शुक्ल ने कहा कि प्रदेश सरकार के सेवा, सुरक्षा एवं सुशासन नीति पर आठ वर्ष पूर्ण होने के

अवसर पर यह तीन दिवसीय कार्यक्रम प्रत्येक जनपदों में आयोजित हो रहा है, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार विकास कार्यो की रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत कर रही है। बहन, बेटियों की सुरक्षा के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया है, जिससे बिना किसी भय के कही पर भी आ–जा सकती है। उन्होने यह भी कहा कि नयी पीढियों को इस विकास यात्रा में आगे आना होगा।

विधायक हर्रैया अजय सिंह ने कहा कि आठ वर्षो का यह परिवर्तन उ0प्र0 सरकार के विकास को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री जी का सपना है कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाना है। आज पूरे प्रदेश में तस्वीरे साफ–साफ झलक रही है कि बच्चियों का डंका हर क्षेत्र में बज रहा है। आज के समय में बच्चियों के पढाई–लिखाई व विवाह के लिए सरकार द्वारा कई योजनाए संचालित है। पहले इलाज के लिए लोगों को लखनऊ, गोरखपुर जाना पड़ता था, अब हर जिले में मेडिकल कालेज की स्थापना हो रही है। पहले लोग उद्योग लगाने से डरते थे, उत्तर प्रदेश सरकार के कुशल नेतृत्व में आज उद्यमीगण बिना किसी भय के उद्योग स्थापित कर रहे है। उद्यमियों के लिए बहुत सारी योजनाए संचालित हो रही है, जिससे उद्योग लगाने के साथ–साथ लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

इस अवसर पर स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तिकरण योजनान्तर्गत छात्र–छात्राओं को टेबलेट, रेशम विकास द्वारा संचालित शिल्क समग्र योजनान्तर्गत 06 लाभार्थियों को टूलकिट, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत 02 लाभार्थियों को टूलकिट, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत 07 व्यक्तियों को डेमो चेक, फर्नीचर कार्य के लिए 05 लाख, कम्प्यूटर कार्य के लिए 05 लाख, पेन्ट निर्माण के लिए 05 लाख, हिमान्शू टेडर्स को 02 लाख, इलेक्ट्रानिक रिपेयर्स के लिए 05 लाख, वेल्डिंग वर्क्स के लिए 05 लाख, ब्यूटी पार्लर के लिए 02 लाख का डेमो चेक वितरित किया गया। इसी प्रकार उद्योग क्षेत्र में उत्कृट कार्य करने वाले उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र भेट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने महाकुम्भ 2025 तथा सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने पर आधारित विकास के लघु फिल्म को देखा। स्कूली छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसे वहॉ उपस्थित दर्शकगण देखकर मंत्रमुग्धा हो गये। इस अवसर पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, पीडी राजेश कुमार, डीडीओ अजय सिंह, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, जिला सेवा योजन अधिकारी अवधेन्द्र प्रताप वर्मा, भूमि संरक्षण अधिकारी राजमंगल चौधरी, डीपीआरओ रतन कुमार, डीसी मनरेगा संजय शर्मा, उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र, विधायक हर्रैया प्रतिनिधि सरोज मिश्र सहित विभागीय अधिकारी व जनप्रतिनधिगण उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मानवी सिंह ने किया।

विकास उत्सव में लाभार्थियों को मिला प्रमाण–पत्र, गिनाईं उपलब्धियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने पर दिनांक 25 से 27 मार्च तक चले विकास उत्सव में विकास खण्ड– रामनगर पर प्रर्दशनी मेला व विभिन्न लाभार्थियों के चाभी वितरण, ऋण वितरण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि गौसेवा आयोग के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने कहा कि केन्द्र और प्रदेश सरकार द्वारा जन कल्याण के अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। इससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार आया है।

विशिष्ट अतिथि ब्लाक प्रमुख यशकान्त सिंह ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होने बताया कि केन्द्र सरकार व राज्य सरकार की समस्त योजनाओं का संचालन समाज के अन्तिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को केन्द्र में रखकर चलायी जा रही है। योजनाओं को शतप्रतिशत लाभार्थियों तक पहुॅचाना हमारा लक्ष्य है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री आवास योजना के अर्न्तगत लाभार्थी, प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 4 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया। समाज कल्याण विभाग द्वारा 4 जोड़ों को प्रमाण पत्र दिया गया। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अर्न्तगत 6 महिला समूहों को ऋण वितरण, पशुपालनविभाग द्वारा नन्दबाबादुग्ध मिशन वित्तीय वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत 4 पशुपालनको को 10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी गई तथा 2 पशुपालकों को 15000/– की प्रोत्साहन राशि दीग ईहै। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्वंय सहायता समूह खोरिया द्वारा आटो रिक्शाका संचालन किया जा रहा है जिसकाअनावरण मुख्य अतिथि महेश शुक्ल ने किया।

मुख्य अतिथि द्वारा 2 बच्चों का अन्न प्राशन कराया गया।विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन, राजेशकुमार सिंह, मण्डल अध्यक्ष भाजपा रामनगर, श्यामनाथ चौधरी, मण्डल महामंत्री, राजकुमार चौरसिया, मण्डल अध्यक्ष सोनहा, अतुल यादव, मण्डल अध्यक्ष पकरीजई, आलम जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक, गिरजेश मिश्र, प्रधानसुरेशचौधरी, गिरजेश यादव, पूर्व प्रधान दुर्गा सिंह, माधव सिंह, राजेश पाठक, रामफेर चौधरी सहित तमाम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारी रहें।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 मार्च 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

न्याय और संवेदनशीलता

विगत 17 मार्च को आया इलाहाबाद हाईकोर्ट का जो फैसला पिछले दिनों पूरे देश में सवालों के घेरे में था, सुप्रीम कोर्ट ने उस पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को लेकर महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी जा रही थी। यहां तक कि महिला संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दर्शाता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। बेंच ने माना कि फैसला लिखने में संवेदनशीलता की कमी दृष्टिगोचर होती है। कोर्ट का मानना था कि जब फैसला चार माह तक सुरक्षित रखने के बाद सुनाया गया तो यह नहीं कहा जा सकता कि इस पर गंभीर मंथन नहीं हुआ। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले की निंदा की। दरअसल, विवाद इस बात को लेकर हुआ कि इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि पीड़िता किशोरी के स्तनों को छूना व पायजामे की डोरी तोड़ना बलात्कार या बलात्कार की कोशिश नहीं माना जा सकता। उल्लेखनीय है कि यह मामला उत्तर प्रदेश के कासगंज जनपद के पटियाली थाना क्षेत्र में एक किशोरी से जुड़ा था, जिसके बाबत जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने यह विवादित फैसला दिया था। इस एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। दरअसल, इसी के मद्देनजर देश में फैसले के खिलाफ तल्ख प्रतिक्रिया देखी गई।

दरअसल, इलाहाबाद हाईकोर्ट की एकल पीठ का कहना था कि दुराचार करने की कोशिश और अपराध की तैयारी के बीच के अंतर को सही ढंग से समझना चाहिए। हाईकोर्ट ने निचली अदालत को आईपीसी व पॉक्सो एक्ट की हल्की धाराओं में मुकदमा चलाने की अनुमति दी थी। उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्ट्स को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इसी मामले में आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लोगों में नाराजगी देखी गई। माना गया कि इसका समाज में गलत संदेश जाएगा और महिलाओं की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। इसके चलते ही एक महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। कालांतर सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतरू संज्ञान लिया। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। निस्संदेह, ऐसे गंभीर मामलों में घटनाक्रम की संवेदनशीलता को मद्देनजर रखना जरूरी होता है। जिसका समाज में सकारात्मक संदेश जाए और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

न्याय व्यवस्था की साख के यक्ष प्रश्न

—प्रमोद जोशी—

किसी एक निकाय में शक्तियों का केंद्रित होना लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। ऐसे मसलों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को एकसाथ आना चाहिए। सुधारों की पहल न्यायपालिका के भीतर से भी आनी चाहिए। इसलिए सकारात्मक सुझावों को बढ़ावा देने की जरूरत है।

नेशनल ज्यूडीशियल डेटा ग्रिड के अनुसार इस हफ्ते 26 मार्च तक देश की अदालतों में चार करोड़ 54 लाख से ज्यादा मुकदमे विचाराधीन पड़े थे। इनमें 46.43 लाख से ज्यादा केस 10 साल से ज्यादा पुराने हैं। यह मान लें कि औसतन एक मुकदमे में कम से कम दो या तीन व्यक्ति पक्षकार होते हैं तो देश में करीब 10 से 15 करोड़ लोग मुकदमेबाजी के शिकार हैं। यह संख्या लगातार बढ़ रही है। सामान्य व्यक्ति के नजरिए से देखें तो अदालती चक्करों से बड़ा चक्रव्यूह कुछ नहीं है। एक बार फंस गए, तो बरसों तक बाहर नहीं निकल सकते।

सरकार और न्यायपालिका लगातार कोशिश कर रही है कि कम से कम समय में मुकदमों का निपटारा हो जाए। यह तभी संभव है जब प्रक्रियाएं आसान बनाई जाएं, पर न्याय व्यवस्था का संदर्भ केवल आपराधिक न्याय या दीवानी मुकदमों तक सीमित नहीं है। व्यक्ति को कारोबार का अधिकार देने, मुक्त वातावरण में अपना धंधा चलाने, मानवाधिकारों तथा अन्य अधिकारों की रक्षा के लिए भी उपयुक्त न्यायिक संरक्षण की जरूरत है। उसके पहले हमें अपनी न्याय—व्यवस्था की सेहत पर भी नजर डालनी होगी, जिसके उच्च स्तर को लेकर कुछ विवाद खड़े हो रहे हैं।

इस समय सवाल तीन हैं। न्याय—व्यवस्था को राजनीति और सरकारी दबाव से परे किस तरह रखा जाए? जजों की नियुक्ति को पारदर्शी कैसे बनाया जाए? तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण सवाल है कि सामान्य व्यक्ति तक न्याय किस तरह से उपलब्ध कराया जाए? अक्सर कहा जाता है कि देश में न्यायपालिका का ही आखिरी सहारा है। पर पिछले कुछ समय से न्यायपालिका को लेकर उसके भीतर और बाहर से सवाल उठने लगे हैं। उम्मीदों के साथ कई तरह के अंदेशे हैं। कई बार लगता है कि सरकार नहीं, सुप्रीम कोर्ट के हाथ में देश की बागडोर है। पर न्यायिक जवाबदेही को लेकर हमारी व्यवस्था पारदर्शी नहीं बन पाई है।

न्यायपालिका को स्वतंत्र होना चाहिए और उसे सरकारी दबाव से भी बाहर होना चाहिए। सच यह भी है कि संविधान ने कानून बनाने और न्यायिक नियुक्तियों के अधिकार विधायिका और कार्यपालिका को दिए हैं। दो राय नहीं कि कार्यपालिका को भी निर्द्वंद्व नहीं होना चाहिए। न्यायपालिका को लेकर संदेह व्यक्त करना, न्यायिक अवमानना की श्रेणी में इसीलिए रखा जाता है, क्योंकि वह संदेह से परे होनी चाहिए। सवाल है कि यदि न्यायपालिका के भीतर के मसले अस्पष्ट और अपारदर्शी हैं और उन्हें लेकर भीतर से ही सवाल उठ रहे हैं, तो उनका निदान क्या है?

दिल्ली में नोटों की जलती गड्डियों ने इन सारे सवालों को एकसाथ उठा दिया है? हम किधर जा रहे हैं? न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास पर नोटों की गड्डियों से जुड़े विवाद के बीच, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 2014 में संसद द्वारा पारित राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग (एनजेएसी) अधिनियम का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि न्यायिक नियुक्तियों की व्यवस्था को सर्वोच्च न्यायालय ने रद्द नहीं किया होता तो 'चीजें अलग होतीं।' धनखड़ ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए पार्टियों के नेताओं के साथ बैठक भी की। कुछ पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह बैठक कॉलेजियम प्रणाली पर राजनीतिक दलों, खासतौर से विरोधी दलों का दृष्टिकोण जानने का प्रयास हो सकता है।

सरकार ने इस सिलसिले में कोई प्रस्ताव नहीं रखा है, इसलिए इस बैठक से कोई बात निकल कर नहीं आई, पर लगता है कि न्यायपालिका को लेकर राजनीतिक दलों के भीतर वह आम राय भी इस समय नहीं है, जैसी 2014 में थी। राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग से जुड़ा विधेयक 2014 में संसद ने पास किया था, लेकिन 2015 में उच्चतम न्यायालय ने उसे खारिज कर दिया। एनजेएसी अधिनियम में कहा गया था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में छह सदस्यीय निकाय द्वारा की जाएगी, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के दो सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, केंद्रीय कानून मंत्री और दो 'प्रतिष्ठित' व्यक्ति शामिल होंगे। दो प्रतिष्ठित व्यक्तियों का चयन प्रधानमंत्री, सीजेआई और लोकसभा में विरोधी दल के नेता वाले पैनल द्वारा किया जाना था। उच्चतम न्यायालय ने इसे खारिज करते हुए कहा कि ऐसी वैकल्पिक प्रक्रिया को स्वीकार करने का कोई सवाल ही नहीं उठता जो जजों के चयन और नियुक्ति के मामले में न्यायपालिका की प्रधानता सुनिश्चित नहीं करती हो। वर्ष 2014 में, दोनों सदनों में, एआईएडीएमके को छोड़कर, जो मतदान में शामिल नहीं रही थी, सभी दलों ने इसका अनुमोदन किया। बाद में 50 प्रतिशत से अधिक राज्यों ने, जिनमें कांग्रेस और वामपंथी दलों द्वारा शासित राज्य भी शामिल थे, एनजेएसी कानून का अनुमोदन किया था। पर यह आमराय तभी तक रही।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद विरोधी दलों के एक खेमे की राय है कि उच्च न्यायालयों में जजों की नियुक्ति पर सरकारी नियंत्रण नहीं होना चाहिए। औपचारिक रूप से ये नियुक्तियां राष्ट्रपति द्वारा की जाती हैं जो संविधान के मुताबिक प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाले मंत्रिमंडल की अनुशंसाओं को मानते हुए ऐसा करते हैं। देश का संविधान ऐसे समय तैयार किया गया था जब राजनेताओं की ईमानदारी और लोकतंत्र के प्रति उनकी निष्ठा को लेकर बड़े संशय नहीं थे। शुरुआती वर्षों में कार्यपालिका द्वारा शक्ति के दुरुपयोग के उदाहरण भी देखने को नहीं मिले। पर समय के साथ राजनीतिक माहौल बदल गया है।

घूम—फिरकर सारी बातें राजनीति पर आती हैं, जिसकी गैर—जिम्मेदारी भी जाहिर है। सवाल केवल न्यायिक प्रणाली में सुधार का ही नहीं है, संपूर्ण व्यवस्था के स्वास्थ्य का है। वर्ष 2018 में जस्टिस जस्ती चेलमेश्वर और जस्टिस कुरियन जोसफ ने मुख्य न्यायाधीश और अपने सहयोगी जजों को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बचाए रखने की अपील की गई थी। पद पर बने रहते हुए ही न्यायमूर्ति चेलमेश्वर ने न्यायाधीशों के चयन के लिए बनाए गए 'कॉलेजियम' व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। इसके पहले जनवरी में सुप्रीम कोर्ट के चार जजों ने एक संवाददाता सम्मेलन में न्यायपालिका के भीतर के सवालों को उठाया था।

आम शिकायत है कि देश में महत्वपूर्ण पदों पर बैठे लोग आपस में रेवड़ियां बांटते हैं। अदालतों में वरिष्ठ और नामी—गिरामी वकीलों की पौ बारह देखी जा सकती है। परिवारों का परिवारों से रिश्ता, भाई—भतीजावाद छिपाए नहीं छिपता। इस सिलसिले में जस्टिस कुरियन जोसफ और जस्टिस चेलमेश्वर की एक घोषणा ने ध्यान खींचा था। उन्होंने कहा, हम रिटायरमेंट के बाद कोई सरकारी पद नहीं लेंगे। दोनों का कहना था कि सरकार और न्यायपालिका के बीच जरूरत से ज्यादा मेलजोल लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। यह बात मौजूदा सरकार के संदर्भ में ही नहीं, अब तक की सभी सरकारों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है।

सवाल समस्या का नहीं, समाधान का है। किसी एक निकाय में शक्तियों का केंद्रित होना लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। ऐसे मसलों में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका को एकसाथ आना चाहिए। सुधारों की पहल न्यायपालिका के भीतर से भी आनी चाहिए। इसलिए सकारात्मक सुझावों को बढ़ावा देने की जरूरत है। राजनीतिक धरातल पर भी आम सहमति होनी चाहिए। आज की परिस्थिति में राजनीति जिस गलाकाट स्तर पर आ चुकी है, उसमें क्या ऐसा संभव है? हाल के वर्षों में भ्रष्टाचार से जुड़े कुछ मामलों में न्यायिक सक्रियता के कारण ही कार्रवाई हो पाई। इतना ही नहीं चुनाव सुधार से जुड़े अनेक कानून केवल सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद ही लागू हो पाए।

—लेखक वरिष्ठ संपादक रहे हैं।

उग्रवादियों, नक्सलवादियों पर लगाम की चुनौती

—मधुरेन्द्र सिन्हा—

देश की सीमाओं की रक्षा में जहां हमारे सैनिक तत्पर हैं वहीं देश में उग्रवादियों, नक्सलवादियों जैसी विध्वंसक ताकतों से निपटने और उनका सफाया करने के लिए केन्द्रीय सुरक्षा बल तथा अन्य बल पूरी मुस्तैदी से शांति बनाये रखने में सफल हुए हैं। यह बल जिसे सीआरपीएफ के नाम से जाना जाता है। इस समय सीआरपीएफ देश में माओवादी उग्रवादियों को पूरी तरह से खत्म करने के अपने मिशन में जी जान से जुटा हुआ है। छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र वगैरह राज्यों में इनका आतंक खत्म करने और वहां सामान्य जन—जीवन को बहाल करने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। हाल के वर्षों में इस बल ने वर्षों से जमे हुए सशस्त्र नक्सलियों को जबर्दस्त चोट पहुंचाई है और उसके कई बड़े लीडर मारे गये हैं जिनसे इन उग्रवादियों का मनोबल नीचे आ गया है।

पिछले कुछ महीनों में तो दर्जनों नक्सली सीआरपीएफ से मुठभेड़ में मारे गये हैं। सैकड़ों हथियार पकड़े जा चुके हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने तो बजट सत्र में स्पष्ट शब्दों में कहा कि 31 मार्च, 2026 तक देश में नक्सलवाद का समूल नाश कर दिया जायेगा। सरकारी लड़ाई तेज करने के अलावा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास के काम को तेज किया और संसाधन उपलब्ध करवाये ताकि वहां के स्थानीय लोग उनसे दूरी बना लें।

हिंसा के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की सरकार की नीति का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने इन देश—विरोधी तत्वों से सख्ती से निपटने की रणनीति पर काम किया है। सीआरपीएफ तथा अन्य सुरक्षा बलों को नये हथियारों से लैस करने के अलावा उन्हें उचित प्रशिक्षण दिलाकर मदद की। टेक्नोलॉजी का सहारा लिया गया और ड्रोन वगैरह के अलावा संचार के तमाम आधुनिक साधनों को उपलब्ध करवाया।

दरअसल, नक्सल प्रभावित क्षेत्र घने जंगलों तथा दुर्गम इलाकों में स्थित हैं। वहां तक पहुंचना टेढ़ी खीर है लेकिन अब उन इलाकों में भी सड़कें बन गई हैं। लगभग 20 हजार किलोमीटर सड़कें बनवाकर सरकार ने वहां जवानों को ही नहीं बल्कि आदिवासियों के आवागमन को सुचारु कर दिया है। सुकमा जैसे घनघोर इलाके में अब अंदर तक सड़कें हैं और इस वजह से अर्धसैनिक बलों का आना—जाना संभव हो पाया है। इसके अलावा उन इलाकों में 88 ऐसे हेलीपैड भी बनवाये गये हैं जहां रात को भी हेलीकॉप्टर पहुंच सकें ताकि जवानों को लाया—ले जाया जा सके तथा रसद व हथियार फौरन पहुंचाये जा सकें। बलों के शिविरों की संख्या भी बढ़ाई गई है ताकि जवान एक जगह से दूसरी जगह जल्दी से पहुंच जायें। नक्सलवाद के विरुद्ध सशस्त्र लड़ाई में डीआरजी, एसटीएफ, आईटीबीपी, बीएसएफ, राज्य पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों तथा अफसरों ने दुर्गम इलाकों में अपना ऑपरेशन चलाया और सैकड़ों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। वे भूखे—प्यासे दुर्गम इलाकों में तैनात रहते हैं।

केंद्र ने इन संगठनों को मजबूत किया है और उन्हें नई टेक्नालॉजी तथा हथियारों से लैस किया है। इससे नक्सलियों से दो—दो हाथ करने में उन्हें सफलता मिली है और बड़ी तादाद में नक्सली मारे गये हैं। नक्सल प्रभावित इलाकों में बजट में 300 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है ताकि संसाधनों का संकट न रहे। नक्सलवाद बढ़ने में गांवों के विकास की उपेक्षा एक बड़ा कारण था। दूर—दराज के गांवों में विकास की सिर्फ बातें ही होती थीं और वहां कुछ नहीं होता था और नक्सली नेताओं के लिए भोले—भाले आदिवासियों को बरगलाना आसान था। उनके पास जीविका के साधन नहीं थे, शिक्षा तो दूर की बात थी। लेकिन अब किसानों तथा अन्य को अपनी उपज का सही मूल्य मिलने लगा। उनके बनाये सामानों की बिक्री भी होने लगी और इससे उनकी आय बढ़ी। नये स्कूल बनाये गये और पुरानों को फिर से चालू कर दिया गया। कई इलाकों में नक्सलियों द्वारा उड़ाये गये स्कूलों को फिर से बना दिया गया है। स्वास्थ्य केन्द्रों में अब डॉक्टर नियमित रूप से आते हैं और उन्हें आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कई कदम उठाये गये हैं। इनसे ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास बढ़ा और वे नक्सलियों से दूरी बनाने लगे हैं। बहुत से इलाकों में बिजली पहुंचाई जा रही है ताकि उनकी जिंदगी आसान हो और नक्सलियों को अंधेरे का फायदा न मिले। सस्ती और सुविधाएं, इन दोनों के साथ सरकार ने नक्सलियों को पीछे धकेलने में बहुत सफलता पाई। केन्द्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक छत्तीसगढ़ में 2023 में नई सरकार बनने के बाद एक साल में ही सशस्त्र बलों ने 380 नक्सलियों को मुठभेड़ों में मार गिराया तथा 1045 ने सरेंडर कर दिया जबकि 1194 गिरफ्तार कर लिये गये। इन मुठभेड़ों में सिर्फ 26 जवान शहीद हुए। इन गिरफ्तार नक्सलियों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए रोजगार की भी व्यवस्था की है। निरुसंदेह, उचित विकास से ही सभी समस्याओं का समाधान मिलेगा। इसके तहत ही उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए 36 महीनों तक हजार रुपये प्रति माह सहायता की भी व्यवस्था की गई है, जिससे वे नई जिंदगी जी सकें। आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को भी विशेष अनुदान दिया जा रहा है। गृह मंत्रालय अर्ध सैनिक बलों के वीर जवानों के लिए कई तरह की कल्याणकारी योजनाओं पर भी काम कर रहा है। उनका मनोबल बढ़ाये रखने के लिए उनके लिए आयुष्मान सीएफएफ योजना लागू की गई है। सीजीएचएस के अस्पतालों में उनके इलाज तथा मुफ्त दवाओं की व्यवस्था की गई है। सरकार ने उनके लिए 2021 से 2026 के बीच 28,546 घरों के निर्माण का लक्ष्य रखा है ताकि उनके आवास की समस्या दूर हो। अब तक कुल एक लाख मकान उन्हें आवंटित कर दिये गये हैं।—लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आवाज की जादुई दुनियां में अवसर

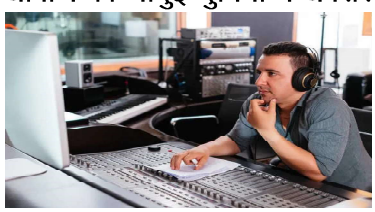

कीर्ति शेखर—

यूं तो आवाज की दुनिया में विशेषकर म्यूजिक इंडस्ट्री में हमेशा से ठोस कैरियर मौजूद रहा है, लेकिन आज यह पहले से कहीं ज्यादा दमदार और सम्मानजनक हो चुका है, क्योंकि अब यह सिर्फ म्यूजिक तक सीमित नहीं है बल्कि इसमें बड़े पैमाने पर साउंड इंजीनियरिंग की भी हिस्सेदारी हो चुकी है। यह सच है कि आवाज के चाहने वाले हमेशा रहे हैं। लेकिन आवाज की इंजीनियरों की इतनी कद्र अब के पहले कभी नहीं रही। शायद इसलिए क्योंकि यह सोशल मीडिया का दौर है। किसी भी किस्म का मल्टी मीडिया प्रोग्राम बिना साउंड इफेक्ट के पूरा नहीं होता। साउंड इंजीनियरिंग का काम आम आवाज को इसी इफेक्ट की बदौलत जादुई बनाना होता है।

रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग तथा रिप्रोडक्शन

साउंड इंजीनियरिंग, ध्वनि अभियांत्रिकी की एक शाखा है जिसका म्यूजिक, मूवी और थियेटर की रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग तथा रिप्रोडक्शन आदि से गहरा नाता है। यूं तो सिने इंडस्ट्री में हमेशा से साउंड इंजीनियर रहे हैं। लेकिन आज का म्यूजिक पहले से भिन्न है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स है, कंप्यूटर है और बड़े पैमाने पर साउंड इंजीनियरिंग है। यही वजह है कि आज फिल्म इंडस्ट्री में साउंड इंजीनियरों की अच्छी—खासी मांग है। ऐसे में कैरियर के रूप में साउंड इंजीनियरिंग तेजी से एक सुरक्षित और ग्लैमरस क्षेत्र बनता जा रहा है। यदि साउंड इंजीनियरिंग का कोर्स कर लिया जाए तो शानदार कैरियर की चिंता से मुक्त हुआ जा सकता है।

इंजीनियरिंग की बारीकी, कलाकार की शार्पनेस

हालांकि दूसरे क्षेत्रों की अपेक्षा यह क्षेत्र थोड़ा चुनौतीभरा हैय क्योंकि इसमें इंजीनियरिंग वाली बारीकी के साथ कलाकार वाली शार्पनेस भी चाहिए। वजह यह है कि अच्छी आवाज की पहचान अकेले मशीनें नहीं कर सकतीं। बहरहाल साउंड इंजीनियरिंग के तहत म्यूजिक, स्पीच और स्टूडियो के साउंड को हाई क्वालिटी का बनाया जाता है। इसी की बदौलत फिल्मों, रेडियो और टेलिविजन कार्यक्रमों को न केवल सहज सम्प्रेषणीय बल्कि प्रभावशाली भी बनाया जाता है।

शैक्षणिक योग्यताएं

अगर आप भी इस क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहते हैं तो आपको 12वीं फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथेमेटिक्स से पास होना चाहिए। आप साउंड इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल सकते हैं और बाद में चाहें तो मास्टर डिग्री भी। साउंड इंजीनियरिंग कोर्स के तहत साउंड रिकॉर्डिंग, एडिटिंग व मिक्सिंग की तकनीकी व व्यावहारिक जानकारी दी जाती है। इसके अलावा छात्रों को रिकॉर्डिंग टूल जैसे— टेप मशीन, स्पीकर, एम्पलीफायर्स, सिंगल प्रोसेसर तथा माइक्रोफोन आदि का इस्तेमाल करना सिखाया जाता है। ऑडियो राइटिंग, बेसिक थ्योरी ऑफ साउंड फ्रिक्वेंसीज, साउंड स्पेशल इफेक्ट्स आदि के बारे में भी पढ़ाया जाता है।

कई संस्थानों द्वारा साउंड इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट तथा पीजी डिप्लोमा स्तर के कोर्स कराए जाते हैं। इनकी अवधि 6 माह से 3 वर्ष के बीच है, जो कि संस्थान द्वारा पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रम पर निर्भर करता है। इन कोर्सेज में एडमिशन के लिए किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है।

जॉब के विकल्पजहां तक ओहदे की बात है तो आप साउंड इंजीनियर, ऑडियो इंजीनियर, स्टूडियो कंट्रोलर उर्फ मैनेजर, मल्टीमीडिया डेवलपर तथा स्टूडियो टेक्निशियन बन सकते हैं।

पुलिस मुठभेड़ में दो तस्कर गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

संवाददाता—कुशीनगर। रविन्द्र नगर धूस थाना क्षेत्र में कांबिंग के दौरान फरार हुए पशु तस्कर से पुलिस की मुठभेड़ हुई है। पशु तस्कर के पैर में गोली लगी है। पुलिस ने पिकअप पर लदे नौ प्रतिबंधित पशुओं के साथ दो पशु तस्करों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी है।

अपराध और अपराधियों के खिलाफ कुशीनगर पुलिस अभियान चला रही है। इसके तहत लगातार दबिश दी जा रही है। अपराधियों को गिरफ्तार किया जा रहा है। गुरुवार को पुलिस को थाना रविन्द्र नगर धूस क्षेत्र में पशु तस्करी की सूचना मिली थी। इस पर तत्काल योजना बनाते हुए पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिसमें थाना रविन्द्र नगर धूस, साइबर सेल और कोतवाली पडरौना की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा थाना रविन्द्र नगर धूस क्षेत्र के होरलापुर चौराहे के पास घेराबंदी कर चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक पिकअप वाहन आते हुए दिखाई दिया, जिसको पुलिस टीम द्वारा रोकने का प्रयास किया। लेकिन रुकने की बजाए पिकअप अनियंत्रित हो गया। देखते ही देखते पिकअप में बैठे लोग भागने की कोशिश करने लगे।

काम्बिंग के दौरान अमियुक्त मुर्तजा हुसैन पुत्र स्व. बशीर अहमद निवासी जंगल खिरकिया कोतवाली पडरौना जनपद कुशीनगर को पकड़ लिया गया, जिसके कब्जे से एक पिकअप वाहन से तस्करी कर वध के लिए ले जा रहे नौ प्रतिबंधित पशु, लकड़ी का एक ठीहा, लोहे का एक बांका, दो रस्सी आदि बरामद किया गया। घटना स्थल से एक अन्य बदमाश फरार हो गया था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगायी गई थीं। होरलापुर कसया टोला कुटीबाग के पास बदमाश की घेराबंदी की गई। पुलिस के मुताबिक खुद को घिरा देखकर बदमाश ने लक्ष्य साध कर पुलिस टीम पर जान मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी फायरिंग से इसका जवाब दिया। इस मुठभेड़ में बदमाश को पुलिस की गोली लग गई।

घायल होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। बदमाश की पहचान समशुल हक पुत्र मुर्तजा हुसैन निवासी जंगल खिरकिया कोतवाली पडरौना जनपद कुशीनगर के रूप में हुई। मौके से उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर, 2 जिन्दा कारतूस, 3 खोखा कारतूस बरामद किया गया है। घायल गिरफ्तार अभियुक्त को इलाज के लिए पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजा गया है।

सीमा पर घुसपैठ करते हुए विदेशी नागरिक को एसएसबी ने दबोचा

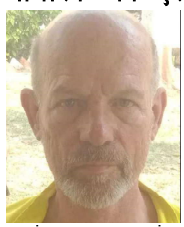

संवाददाता—महराजगंज। इंडो—नेपाल सीमा से घुसपैठ करते हुए एक विदेशी नागरिक को एसएसबी के जवानों ने उस वक्त दबोच लिया, जब वह साइकिल से भारत सीमा की सुंडी बीओपी क्षेत्र में दाखिल हो चुका था। विदेशी नागरिक के पास से बरामद नीदरलैंड के पासपोर्ट से उसकी पहचान पालस जोहान्स थियोडोरस के रूप में हुई है। सीमा पर तैनात सुरक्षा एजेंसियां पकड़े गए विदेशी नागरिक से पूछताछ में जुट गई हैं। एसएसबी 66 वीं वाहिनी के बीओपी सुंडी के जवान गुरुवार को सीमा पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक 60 वर्षीय व्यक्ति संदिग्ध हालत में साइकिल से भारत की सीमा में आता हुआ दिखाई दिया। जवानों ने रोक कर उससे पूछताछ करनी शुरू की तो उसके बातचीत की शैली से ही पकड़ में आ गया कि वह किसी तीसरे देश का नागरिक है। एसएसबी के जवानों ने तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचित कर विदेशी नागरिक को हिरासत में ले लिया। पूछताछ करने के लिए बीओपी मुख्यालय लेकर पहुंच गए। सूचना पर सुरक्षा एजेंसियों की टीम मौके पर पहुंच गई और पूछताछ में जुट गई।

सरहद की सुरक्षा में तैनात एजेंसियां इस बात से हैरान है कि आखिर तीसरे देश का व्यक्ति बेधड़क साइकिल से पगडंडी रास्तों से होकर भारत की सीमा में कैसे दाखिल हो रहा था? सुरक्षा एजेंसियां इस बात को भी खंगालने में जुट गई है कि भारत—नेपाल की खुली सीमा का फायदा अवांछनीय तत्व तो नहीं उठा रहे हैं। जिस अंदाज में वह घुसपैठ कर रहा था, उससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि रास्तों से वह वाकिफ था। यह भी है कि बेखौफ होकर गांव के रास्ते नेपाल और भारत में प्रवेश करने वाला विदेशी नागरिक बिना स्थानीय स्तर के सहयोग से ऐसा नहीं कर सकता।

अभिनव कुमार सिंह, डिप्टी कमांडेंट एसएसबी 66वीं वाहिनी ने कहा कि भारत—नेपाल सीमा के पिलर संख्या 526 के पास जवान गस्त करते पहुंचे ही थे कि कुछ दूरी पर एक विदेशी नागरिक साइकिल चलाते हुए भारत की सीमा में प्रवेश करता दिखा। पूछताछ के दौरान उसके पास से बरामद पासपोर्ट से उसकी पहचान नीदरलैंड के नागरिक के रूप में हुई है। नेपाल का टूरिस्ट वीजा पाया गया है। वह भारत की सीमा में क्यों और किन की मदद से दाखिल हो रहा था? इसकी जांच—पड़ताल की जा रही है।

बाल विवाह समाज के लिए अभिशाप, बलि बेदी पर न चढ़ें बेटियां —राज्यपाल

संवाददाता—गोण्डा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल अपने एक दिवसीय दौरे पर गोंडा पहुंचीं। राज्यपाल ने 20 से अधिक विभागों की योजनाओं की प्रदर्शनी को देखा। राज्यपाल ने मेरठ साहिल—मुस्कान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा— ऐसी घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह समाज के लिए कलंक बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं को सतर्क करते हुए कहा कि आज के समय में लड़के—लड़कियों को सावधान रहने की जरूरत है।

मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने कई जनकल्याणकारी योजनाओं का वितरण किया। उन्होंने 200 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को किट, दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल और सहायक उपकरण वितरित किए। पात्र लाभार्थियों को भूमि पट्टा, महिलाओं को सिलाई मशीनें, और मेडिकल छात्राओं को हाइजीन किट एवं पोषण पोटली भी दी गई।

राज्यपाल ने आंगनबाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चों से मुलाकात कर उनका हाल—चाल जाना। कार्यक्रम में सैकड़ों आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं, जिनसे बातचीत करते हुए उन्होंने जनता तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाने का निर्देश दिया। गोंडा दौरे के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मेरठ के साहिल—मुस्कान हत्याकांड पर बड़ा बयान दिया। मंच से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा— युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ तकनीक और जीवन के अन्य पहलुओं का सही उपयोग करना चाहिए। उन्होंने मीडिया में आ रही खबरों को चिंता का विषय बताया और कहा कि आजकल कैसी—कैसी घटनाएं हो रही हैं, कैसे लोग परेशान कर रहे हैं, यह गंभीर चिंता का विषय है।

उन्होंने कहा कि भारत सरकार और यूपी सरकार इस मुद्दे पर ध्यान दे रही हैं, लेकिन जब ऐसी घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। यह समाज के लिए कलंक बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं को सतर्क करते हुए कहा कि आज के समय में लड़के—लड़कियों को सावधान रहने की जरूरत है, ताकि वे किसी ऐसी परिस्थिति में न फंस जाएं जिससे उनकी पूरी जिंदगी बर्बाद हो जाए।

राज्यपाल ने कहा कि समाज में पढ़े—लिखे लोग भी ऐसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक है। माता—पिता ऐसे कृत्यों से बदनाम हो रहे हैं, और कई मामलों में तो परिजन खुद ही सख्त सजा की मांग कर रहे हैं। राज्यपाल ने आगे कहा— हम कैसे पढ़े—लिखे हैं, अगर अपने माता—पिता का सम्मान ही नहीं कर सकते, माता—पिता हमें सही दिशा दिखाते हैं, लेकिन फिर भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

उन्होंने कहाकि यह न तो हमारी शिक्षा का हिस्सा है, न हमारे संस्कारों का। हत्या के बाद अगर सजा के तौर पर 20—25 साल जेल में बिताने पड़ें, तो आखिर इसमें क्या हासिल होगा? जो चाहते थे, वह तो कभी मिला ही नहीं। राज्यपाल के इस बयान के बाद कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने उनके विचारों का समर्थन किया और युवाओं को सजग रहने की सलाह दी।

दुर्वासा आश्रम में 108 विप्र बटुकों का उपनयन संस्कार हुआ संपन्न

मन्दिर दर्शन की अपेक्षा स्वधर्म पालन एवं सन्ध्या तर्पण होमादि अधिक श्रेयकर है —आचार्य श्रवण कुमार मिश्रा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। अयोध्या धाम के परिक्रमा मार्ग पर स्थित परशुराम शिव पंचायतन मंदिर दुर्वासा आश्रम में 108 विप्र बटुकों का उपनयन संस्कार आचार्य श्रवण कुमार मिश्र के आयोजकत्व एवं आचार्यत्व में श्रौत स्मृति कर्म निष्णात विद्वानों द्वारा चौत्र मीनार्क कृष्ण त्रयोदशी बृहस्पतिवार को सविधि संपन्न हुआ, सर्वप्रथम ब्राह्मणों के साथ बटुकों को शर्करा युक्त दधि चूरा खिलाया गया तत्पश्चात् अग्नि स्थापन के साथ गायत्री दीक्षा,भिक्षा चरण एवं वेदारम्भ आदि कर्म सम्पन्न हुए। उपनयन संस्कार के मुख्य अतिथि एसडीओ लखनऊ राजेश कुमार त्रिपाठी पूरे समय उपस्थित रहे।बटुकों को उपदेश देते हुए आचार्य श्रवण जी ने बताया कि गायत्री मंत्र अत्यंत गोपनीय है अतः सर्वसमाज के समक्ष उच्चारणीय नहीं है, परन्तु कुछ ऐसे भ्रष्ट धर्माचार्य है जो कथा मंच से गायत्री मंत्र का गान करते हैं सत्सस्कार से सदाचार एवं सदाचारी व्यक्ति ही कर्तृतव्य परायण होता है नास्तिक एवं पाखण्डी धर्म गुरुओं से सावधान रहने कि आवश्यकता है।मन्दिर दर्शन की अपेक्षा स्वधर्म पालन एवं सन्ध्या तर्पण होमादि तथा तपरू स्वाध्याय श्रेयस्कर है।

डां कृष्ण कुमार पाण्डेय ने कहा कि संस्कारों से गुणाधान एवं दुर्गुणों का दूरीकरण होता है। शिवानंद मिश्र ने कहा कि ब्राह्मणों को बिना किसी स्वार्थ के वेदाध्ययन करना चाहिए क्योंकि इसी से समस्त ज्ञान ,लाभ ,सत्ता एवं सद् विचारों की प्राप्ति होती है। प्राचार्य अनिल द्विवेदी ने अपना विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि मद्य पान आदि महा पातकों से ब्राह्मणों को बचना चाहिए एवं व्यभिचार में प्रवृत्त करने वाले कानूनो से सावधान रहे इसे ही रामराज्य न मान बैठे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीम सदर श्री विकास धर दुबे ने ब्रह्मचारियों को उपदेश देते हुए बताया कि सभी धर्मों की अपेक्षा राष्ट्रहित सर्वोपरि है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खेखरूवा कुटी के महंत राम बच्चन दास,लक्ष्मी नारायण त्रिवेदी, वागीश पांडे, मानस तिवारी, रामचरित्र तिवारी सोमदेव वैदिक, शुभानंद मिश्र, रमोजवल्स, अजय पांडे अमरेश तिवारी आदि विद्वानों ने मंच साझा किया। उपनयन संस्कार के दौरान हजारों की संख्या में बटुकों के परिवारजन भी उपस्थित रहे।

सुरक्षा एजेंसियों ने बॉर्डर पर बरामद किया चार ट्रॉली गुड़

संवाददाता—महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के ग्राम कनमिसवा बार्डर पर पुलिस, राजस्व और एसएसबी की संयुक्त टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की। इस दौरान टीम ने एक घर के पीछे नेपाल भेजने के लिए छिपाकर रखी गई चार ट्रॉली गुड़ (जेरी) बरामद हुई। छापेमारी की जानकारी होते ही गुड़ रखने वाला शख्स भागने में सफल रहा। टीम ने बरामद ट्रॉली पर लदे गुड़ को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से गांव में घंटों हड़कंप मचा रहा।

नेपाल बार्डर पर स्थित एसएसबी झुलनीपुर बीओपी के निरीक्षक जयन्ता घोष ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि कनमिसवा बार्डर स्थित पिलर संख्या 499६४ के पास एक घर के पीछे अवैध तरीके से ट्रॉली पर गुड़ छिपाकर रखा गया है। इसे कुछ लोग नेपाल भेजने की फिराक में है। इसके बाद उन्होंने सूचना को गंभीरता से लेते हुए बहुआर पुलिस और राजस्व विभाग को सूचना देते हुए मौके पर पहुंचकर छापेमारी की। इस दौरान मौके से चार ट्रॉली पर लदा गुड़ पकड़ा गया। चारों ट्रॉली पर लदा गुड़ 402 बोरियों में रखा था। इसे टीम ने कब्जे में लेकर कार्रवाई के लिए निचलौल कस्टम को सुपुर्द कर दिया है। टीम में नायब तहसीलदार पियूष जायसवाल, लेखपाल मनीष पटेल, एसएसबी पथलहवा समवाय के प्रभारी खैजमंग के साथ बहुआर पुलिस चौकी के एसआई कपिल प्रजापति, सुशील सिंह, अंकित यादव, रविकांत उपाध्याय आदि शामिल रहे।

अखिलेश बताएं, गाय से दुर्गंध आती है या गोबर से —बृजभूषण

संवाददाता—गोण्डा। कैसरगंज से पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह द्वारा आज नंदिनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने फीता काटकर और दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का उद्घाटन किया। इस स्वास्थ्य शिविर में देवीपाटन मंडल के चारों जिलों के बड़ी संख्या में बच्चों ने भाग लिया। चिकित्सकों ने सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक दिशा—निर्देश दिए।

अखिलेश यादव के गौशाला संबंधी बयान पर बृजभूषण शरण सिंह का पलटवार समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा गौशालाओं को लेकर दिए गए बयान पर पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अखिलेश यादव इत्र की नगरी से आते हैं, इसलिए इत्र की ही बात करते हैं। लेकिन गौशालाओं को लेकर उनका बयान स्पष्ट नहीं होता।

शिविर में बृजभूषण शरण सिंह ने बच्चों को सेहतमंद जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा, बाजारों में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री बढ़ गई है, जिससे लोग बीमार हो रहे हैं। इसलिए आप बाहर की चीजें खाना बंद कर दें और स्वस्थ रहें। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को सुबह जल्दी उठने की आदत डालने की सलाह दी। उन्होंने कहा, सुबह 8 बजे उठने की बजाय, आप 5 बजे उठने की आदत डालें। इससे आपका दिमाग पढ़ाई और स्वास्थ्य की ओर केंद्रित रहेगा और आपको सकारात्मक दिशा मिलेगी।

सीओ ने पुलिस बल के साथ किया फ्लैग मार्च

संवाददाता—श्रावस्ती। आगामी त्योहारों के मद्देनजर पुलिस सतर्क हो गई है। कानून व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने को पुलिस ने एरिया डोमिनेशन कर रही है। गुरुवार को सीओ ने भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च कर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। क्षेत्राधिकारी इकौना सतीश कुमार शर्मा ने गुरुवार को भारी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ बल 101 वीं कंपनी प्रयागराज के जवानों के साथ इकौना व थाना नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया। जिसमें उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर पैदल भ्रमण कर लोगों से आने वाले त्योहार को शांति व आपसी भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सभी इलाकों में विशेष निगरानी की जा रही है। प्रशासन का मुख्य ध्यान कानून—व्यवस्था को बनाए रखने और आमजन में सुरक्षा का भाव जगाने पर है।

उन्होंने कहा कि कोई भी अफवाहों पर ध्यान न देकर अफवाह फैलाने वालों की सूचना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि यदि किसी को कोई समस्या है तो पुलिस को अवगत कराएं। जिसका समाधान किया जा सके। लेकिन यदि शांति, कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश हुई तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। इस मौके पर आरएएफ के असिस्टेंट कमांडेंट राजेंद्र कुमार, निरीक्षक विजयकांत पांडेय, निरीक्षक कृपा शंकर राय, दोनों थानों के थाना प्रभारी आदि मौजूद रहे।

सोहेलवा जंगल से बाहर झाड़ियों में मृत मिला तेन्दुआ

संवाददाता—श्रावस्ती। जंगल से सटे झाड़ियों में एक तेन्दुए को मृत पाया गया। शव करीब एक सप्ताह पुराना लग रहा है। सूचना पर पहुंची एसएसबी, पुलिस व वन विभाग की टीम ने शव को कब्जे में ले लिया, इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए रेंज कार्यालय ले जाया गया। पूवी सोहेलवा जंगल से सटे सिरसिया थाना क्षेत्र के कैथौली गांव के पूरब झाड़ियों में गुरुवार को संदिग्ध हालात में एक तेन्दुआ मृत पड़ा था। जहां काफी दुर्गन्ध आ रही थी। गांव के कुछ लोग खेत में काम करने गए तो दुर्गन्ध का एहसास होने पर झाड़ियों के पास जाकर देखा तो वहां एक नर तेंदुए का शव पड़ा था जो दिखने में करीब एक सप्ताह पुराना लग रहा था। लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग, पुलिस व एसएसबी को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसएसबी जवान, पूर्वी सोहेलवा के रेंजर अनिमेष वर्मा, वन रक्षक अखिलेश शर्मा, सुमित पाण्डेय, फरेस्टगार्ड ज्वाला प्रसाद व सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक राजकुमार सरोज टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। वन विभाग की टीम ने तेन्दुए के शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद पोस्टमार्टम के लिए पूर्वी रेंज कार्यालय लेकर चली गई। रेंजर अनिमेष वर्मा ने बताया कि तेंदुए का शव करीब एक सप्ताह के आस पास का प्रतीत हो रहा है, जिसकी आयु भी पांच वर्ष के करीब लग रही है।

स्वास्थ्य मेले में 1430 मरीजों का इलाज,30 दिव्यांगों को मिली ट्राईसाइकिल

संवाददाता—बलरामपुर। तीन दिवसीय विकास महोत्सव का समापन स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रमों के साथ हुआ। बड़ा परेड ग्राउंड में विधान परिषद सदस्य साकेत मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पहले सत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आशा कार्यकर्ताओं और एएनएम को प्रशस्ति पत्र दिए गए। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में सफल रहने वाली ग्राम पंचायतों के प्रधानों को स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित जन आरोग्य मेले में 1430 मरीजों का उपचार किया गया। मेले में 323 लोगों का रक्तचाप, 289 का शुगर और 36 का बलगम टेस्ट किया गया। विभाग ने 143 दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र जारी किए।

दूसरे सत्र में बलरामपुर सदर विधायक पल्टूराम ने 30 दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल वितरित कीं। शादी अनुदान योजना के 5 लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र और 10 युवा मंगल दलों को प्रमाण पत्र दिए गए।

साकेत मिश्रा ने आशा बहनों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को समाज की सच्ची नायिकाएं बताया। विधायक पल्टूराम ने डबल इंजन सरकार की सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का चौतरफा विकास हो रहा है। किसानों को उपज का उचित मूल्य और युवाओं को रोजगार मिल रहा है।

जिलाधिकारी पवन अग्रवाल के निर्देशन में आयोजित इस महोत्सव में विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और पात्र लोगों के आवेदन भरवाए। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी भी मौजूद रहे।

नए आदेश के खिलाफ अधिवक्ताओं का विरोध प्रदर्शन

संवाददाता—श्रावस्ती। सीमा क्षेत्र के 15 किलोमीटर के अन्दर भूमि बैनामा के लिए एसडीएम व सीओ से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने का आदेश जारी किया गया। जिसके विरुद्ध अधिवक्ता लामबंद हैं। जमुनहा में गुरुवार को भी अधिवक्ताओं ने कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन किया। तहसील जमुनहा के अधिवक्ताओं ने गुरुवार को जमुनहा तहसील में प्रदर्शन किया। इस दौरान संघ अध्यक्ष अजय कुमार पांडेय की अगुवाई में अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन जमुनहा एसडीएम को सौंपा। अजय पांडेय ने कहा कि जिला प्रशासन की ओर से भारत नेपाल सीमा रेखा से 15 किलोमीटर के अन्दर जमीन बैनामा कराने पर एसडीएम व पुलिस सीओ से अनापत्ति लेने का निर्देश जारी किया गया है। बिना आम जनता व अधिवक्ताओं की बात सुने ही इस आदेश को मनमानी तरीके से जारी किया गया है जो पूरी तरह गलत है।

यह आदेश भ्रष्टाचार का माध्यम बनेगा और बिना पैरवी और धन उगाही के अनुमति प्राप्त नहीं होगी। इसलिए इस आदेश पर फिर से विचार किया जाय और आदेश को वापस लिया जाय। आदेश वापस न होने तक अधिवक्ता कार्य बहिष्कार कर धरना प्रदर्शन करेंगे। ज्ञात हो कि सीमा क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण व अवैध घुसपैठ पर अंकुश लगाने के लिए प्रशासन की ओर से यह आदेश जारी किया गया है। एसडीएम व सीओ से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेने का आदेश दिया गया है जिससे भूमि खरीद बिक्री की पूरी जांच हो सके। लेकिन अधिवक्ता इसमें भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि अनापत्ति प्रमाण पत्र बिना पैरवी व धन के नहीं मिलेगा। इस मौके पर हरीश यादव, कमलेश वर्मा, प्रहलाद कुमार, बड़े लाल यादव, अरविंद यादव, शराफत उल्ला खां, धर्मेंद्र यादव, शिव कुमार सोनकर, सतीश तिवारी, दिनेश यादव, पंकज आर्य आदि अधिवक्ता मौजूद रहे।

सड़क निर्माण की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने जाम की सड़क

संवाददाता—देवरिया। जनपद के मगहरा में सड़क निर्माण न होने पर भाजपा कार्यकर्ता अपनी ही सरकार में गुरुवार को सड़क पर उतर गए। मुख्य मार्ग जाम कर जिला प्रशासन व अन्य लोगों के विरुद्ध प्रदर्शन किया। लगभग तीन घंटे के प्रयास के बाद तहसीलदार सलेमपुर अलका सिंह के पत्रक लेने व जल्द ही मांगें पूरी होने की बात कहने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने आंदोलन समाप्त किया। जिसके बाद सड़क पर आवागमन बहाल हो सका। भाजपा नेता प्रमोद मिश्र के नेतृत्व में करऊना—सलेमपुर मार्ग, बरांव से पकड़ी मार्ग के निर्माण को लेकर मगहरा चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ता व अन्य लोग सड़क पर उतर गए और मुख्य मार्ग जाम कर दिया। पहले तो खुखुंदू पुलिस उन्हें सख्ती दिखाते हुए हटाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद मौके पर सीओ सलेमपुर दीपक शुक्ल, तहसीलदार अलका सिंह बड़ी संख्या में पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जाम हटाने का प्रयास किया। प्रमोद मिश्र ने कहा कि क्षेत्र की सड़कें खराब है। जिनका निर्माण नहीं हो रहा है। कई बार इसके लिए आंदोलन भी हो चुके हैं, पर इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। आए दिन सड़क खराब होने के चलते लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। जिला प्रशासन की लापरवाही के चलते सड़क का निर्माण अधूरा है। देवेंद्र मिश्रा, अरुण तिवारी, कृष्ण मुरारी दुबे, जटाशंकर दुबे ने भी धरना को संबोधित किया। मानवेंद्र तिवारी, रिंकू सिंह ,जितेंद्र यादव, ओपी यादव ,रमेश शर्मा, राजाराम भगत, शिव भगत, तेज नारायण सिंह, ज्ञान देव बरनवाल, बिट्टू चौहान ,बड़े, आकाश पासवान, दिनेश पासवान ,धर्मेंद्र प्रजापति ,जेपी मद्धेशिया समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे। बता दें कि प्रमोद मिश्र भाजपा से बरहज विधान सभा क्षेत्र से विधान सभा चुनाव के लिए टिकट भी मांग चुके हैं।

भारतीय नववर्ष की पूर्व संध्या पर होगी रामकोट की परिक्रमा

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। मतगजेंद्र मंदिर में पूजन अर्चन के साथ 29 मार्च दोपहर बाद 3 बजे से चौत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 9 वर्ष की पूर्व संध्या पर अयोध्या में 21 झांकियों के साथ होगी रामकोट की परिक्रमा। राम मंदिर के साथ सभी प्रमुख मंदिरों सजातीय मंदिरों और उनके महापुरुषों की झांकी रामकोट की परिक्रमा में सम्मिलित होगी उक्त बातें नगर निगम कैंप कार्यालय अयोध्या में प्रेस से मुखातिब होते हुए अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी ने बताया। उन्होंने बताया कि नव संवत्सर चौत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि की सुबह 6रू30 सरयू तट पर उगते हुए सूर्य को आज दिया जाएगा। उन्होंने सभी अयोध्या वासियों से आग्रह किया की रामकोट की परिक्रमा में सम्मिलित हो, अपने—अपने घरों के सामने ध्वजा लहराए, रंगोली बनाएं और भारतीय नव वर्ष पर एक दूसरे को बधाई दें।

जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य महाराज ने बताया कि भारतीय नव वर्ष चौत्र शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होता है इसके पूर्व हम सभी को तैयारी करना चाहिए और भारतीय नव वर्ष को पूरी उत्साह के साथ मनाना चाहिए। क्योंकि हमारे नव वर्ष को प्रकृति बड़े ही उल्लास के साथ मनाती है नए—नए पत्ते होते हैं हरियाली दिखाई देती है,अपने धर्म और संस्कृति को बढ़ाने के लिए हमें जागरूक होना होगा और भारतीय नव वर्ष की शुभकामना जन जन तक पहुंचे इसके लिए एक दूसरे को बधाई देना होगा तिलक लगाना होगा जिससे हम अपने को आगे बढ़ा सकें। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्रा ने बताया कि संतो के नेतृत्व में नव वर्ष की पूर्व संध्या पर रामकोट की परिक्रमा की जाती रही है इस वर्ष भी संतो के नेतृत्व में परिक्रमा होगी जिसमें अयोध्या सभी संत महंत सम्मिलित होंगे राम मंदिर की झांकी परिक्रमा में सम्मिलित होगी प्रमुख मंदिरों सभी सजातीय बांधों के मंदिरों उनके महापुरुषों की झांकी भी सम्मिलित होगी और इसी दिन से अयोध्या के सभी मंदिरों में नवाह पारायण भी प्रारंभ हो जाएगा, प्रभु श्री राम लला कभी भाव जन्मोत्सव मनाया जाएगा जन्म के समय ठीक 12 सूर्य भगवान प्रभुश्री राम का अपने करने से तिलक करेंगे जो 4 मिनट का होगा सनातन धर्म के लोग इसका दर्शन करेंगे।

रावण के अंत के लिये श्रीराम की शरण लेना पड़ता है-स्वामी स्वरूपानन्द

–9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जब तक ईश्वर से जीव की मैत्री नहीं हो जाती जीवन सफल नहीं होता। **जनम–जनम मुनि जतन कराहीं। अन्त राम कहि आवत नाहीं।।** साधारण मनुष्य और परमात्मा में यही अन्तर है कि परमात्मा जिसे मारते हैं उसे तारते भी हैं। श्रीराम अति सहज है। **निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट छल छिद्र न भावा।।** रावण एक प्रवृत्ति है। उसके अंत के लिये श्रीराम की शरण लेना पड़ता है। वे शरणागत की रक्षा करते हैं। रावण के अत्याचारों से त्रस्त होकर विभीषण जब श्रीराम के शरण में आये तो उन्होने विभीषण को गले लगा लिया । यह सद् विचार कथा व्यास स्वामी स्वरूपानन्द जी महाराज ने नारायण सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा आयोजित 9 दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा का दुबौलिया बाजार के राम विवाह मैदान में आठवें वे दिन व्यक्त किया।

महात्मा जी ने कहा कि राम वियोगी का जीवन कैसा होना चाहिये इसका आदर्श जगत के समक्ष भरत ने प्रस्तुत किया। **"सुनहु उमा ते लोग अभागी। हरि तज होहिं विषय अनुरागी।।** कृष्ण और काम, राम और रावण एक साथ नहीं रह सकते। रामचन्द्र जी ने सुग्रीव को अपना मित्र बनाया क्योंकि सुग्रीव को हनुमान जी ने अपनाया है। ईश्वर के साथ प्रेम करना है तो दूसरों का प्रेम छोड़ना पड़ेगा। श्रीराम कथा के आठवें दिन कथा व्यास का विधि विधान से मुख्य यजमान अजय सिंह, विभा सिंह ने कथा व्यास का पूजन किया। आयोजक बाबूराम सिंह, राजेश मणि त्रिपाठी, हीरा सिंह, राजेश सिंह, अमरजीत सिंह, हरिओम पाण्डेय, राम प्रकाश सिंह उर्फ नन्हें सिंह, अशोक सिंह, हरिशंकर उपाध्याय, रणजीत सिंह, गोरखनाथ सोनी, नीरज गुप्ता, घनश्याम पाण्डेय, शेर बहादुर सिंह, बब्लू पाण्डेय, कन्हैया दास, राजननरायन पाण्डेय, सत्यनरायन द्विवेदी, राधेश्याम, सभाजीत चौधरी, विश्वम्भर, गोविन्द मोदनवाल, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता, दंगल गुप्ता, रामकिंकर सिंह, संजीव सिंह, सुनील सिंह, जसवन्त सिंह, अनूप सिंह, प्रमोद पाण्डेय, हर्षित सिंह, आदित्य सिंह, अरूण सिंह, मनोज गुप्ता, देवनरायन चौहान, दयाराम सोनकर, प्रभाकर सिंह, सुधाकर सिंह, अमरपाल सिंह, सुरेन्द्र बहादुर सिंह, नीरज गुप्ता, रामू, इन्द्रपरी सिंह, शीला सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक श्रीराम कथा में शामिल रहे।

चिल्लूपार को मिली 4000 करोड़ की सौगात

संवाददाता–गोरखपुर।

चिल्लूपार विधायक राजेश त्रिपाठी ने गुरुवार को योगी सरकार के 8 साल पूरे होने पर पत्रकार वार्ता की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चिल्लूपार को 4000 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाएं मिली हैं। विधायक ने कहा कि 2022 में जब पहली बार भाजपा की जीत हुई, तब क्षेत्र की अधिकतर सड़कें बदहाल थीं। लेकिन पिछले तीन वर्षों में यहां तेजी से विकास हुआ है। क्षेत्र में 1000 करोड़ से राम जानकी मार्ग का निर्माण हुआ। 300 करोड़ से गोरखपुर–बड़हलगंज हाईवे बना। 800 करोड़ की पेयजल पाइप लाइन बिछाई गई। इसके अलावा 400 करोड़ की लागत से धुरियापार चलनी मिल की स्थापना हुई। दो दर्जन गांवों और गोला बड़हलगंज कस्बे को कटाव से बचाने के लिए 100 करोड़ खर्च किए गए। 125 करोड़ से होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ। तीनों नगर पंचायतों के विकास के लिए 150 करोड़ रुपए दिए गए। इसके साथ ही बिजली, कस्तूरबा स्कूल, आईसीयू केयर, गोला बारा नगर पंप कैनाल का निर्माण हुआ। प्रधानमंत्री आवास योजना और आयुष्मान भारत योजना के तहत भी क्षेत्र को लाभ मिला।

तेज पछुआ हवाओं के बीच शार्ट सर्किट से लगी आग, आठ बीघा गेहूं जला

संवाददाता–संतकबीरनगर।

दुधारा थाना क्षेत्र में मौसम बदलने के साथ आग लगने का कहर शुरू हो गया। क्षेत्र के महुआरी गांव में गुरुवार को तेज पछुआ हवाओं के बीच शार्ट सर्किट से निकली चिनगारी से गेहूं के खेत में आग लग गई। इसकी चपेट में आकर आठ बीघा गेहूं जलकर राख हो गया। दुधारा थाना क्षेत्र के गांव महुआरी के सीवान में गुरुवार को दोपहर में तेज पछुआ हवाओं के बीच बिजली के तारों में शार्ट सर्किट होने से गेहूं की तैयार फसल के खेतों में चिनगारी गिरने लगी। इससे सूखी गेहूं की फसल जलने लगी। गर्म मौसम के साथ बह रही तेज पछुआ हवाओं से आग भड़क गई।

सीवान में लगी आग से उठ रहा धुंआ देख ग्रामीण आग बुझाने दौड़ पड़े। ग्रामीणों के काफी प्रयास से आग बुझाई जा सकी। इस बीच आठ बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। जिन किसानों की फसल जली उनमें नसीमुल्लाह, वसीमुल्लाह पुत्रगण अब्दुल्लाह, अब्दुल वहाब, तबरेज अहमद, औरंगजेब पुत्रगण मुर्तजा शामिल हैं।

योगी सरकार की गरीब कल्याण योजना का बड़ा लाभ, 3.80 लाख परिवारों को मिल रहा राशन, 14 परिवारों को मिली आवास की चाबी

संवाददाता–अयोध्या।

रुदौली में प्रदेश सरकार के आठ साल पूर्ण होने पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विकास योजनाओं का शिलान्यास और सम्मान समारोह भी हुआ। विधायक रामचंद्र यादव ने कहा कि मोदी और योगी सरकार ने अयोध्या को देश की सर्वोत्तम नगरी बनाया है। रुदौली के विकास के लिए 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की जा रही है। उन्होंने बताया कि गरीब कल्याण योजना के तहत 3 लाख 80 हजार परिवारों को राशन वितरित किया गया है। कार्यक्रम में 14 लोगों को आवास की चाबियां सौंपी गई। इसके अलावा 15 मनरेगा कर्मी, 10 पंचायत सहायक, 8 कार्यालय कर्मचारी, 5 एडीओ, 22 सचिव, 2 अवर अभियंता, 7 तकनीकी सहायक और 10 केयरटेकर को सम्मानित किया गया। आजीविका मिशन की 18 महिलाओं को भी सम्मान मिला। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने कहा कि सरकार वंचित और कमजोर आय वर्ग के लोगों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक ने कहा कि प्रदेश में अपराध नियंत्रण के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है। अमराई गांव में अटल आवासीय कॉलेज की स्थापना की गई है। कार्यक्रम में गनौली गन्ना समिति अध्यक्ष निर्मल शर्मा, पूर्व प्रमुख अशोक दास, भाजपा जिला मंत्री शिव गोविंद पांडेय सहित कई अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

ओपी राजभर ने सैयद सलार मसूद गाजी को बताया पाजी

संवाददाता–अंबेडकरनगर।

ओम प्रकाश राजभर ने कहा– सैयद सलार मसूद गाजी को पाजी बताया है। उन्होंने कहा– उनको राजा सुहेल देव ने मारा था। इसलिए उनके नाम पर मेला लगना चाहिए। न कि सैयद सलार मसूद गाजी के नाम पर। ओम प्रकाश राजभर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के युवा जागरूकता सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे थे। राजभर ने कहा कि गाजी ने सुहेलदेव से पंगा लिया था। उनका कहना था कि मेला उन लोगों का लगना चाहिए जिन्होंने देश को लूटने से बचाया। उन्होंने राजा सुहेलदेव, डॉ. अंबेडकर, गौतम बुद्ध और पंडित दीन दयाल उपाध्याय के विचारों के मेले की वकालत की। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए राजभर ने कहा– वे सरकार पर गलत आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने गौशालाएं बनाकर अन्ना पशुओं को वहां पहुंचाया है। राजभर ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि सरकार के कार्यों से अखिलेश यादव को दुर्गंध आ रही है। अगले 12 साल तक वे इसी तरह दुर्गंध की बात करते रहेंगे।

सरकार के आठ साल का उत्सव गलत, चरम पर भ्रष्टाचार, कालाबाजारी व महंगाई -निर्मल खत्री

संवाददाता–अयोध्या।

गुरुवार को कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल खत्री ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने भाजपा द्वारा योगी सरकार के आठ साल पूरे होने पर मनाए जा रहे उत्सव के गलत बताया। कहा कि आठ साल में सरकारी परीक्षाओं के कई पेपर लीक हुए। जब परीक्षा ही नहीं होगी तो भविष्य कैसे सुधरेगा? मनरेगा में 100 करोड़ रुपए बकाया है। डीएपी की कालाबाजारी बंद हो। गन्ने के समर्थन मूल्य में वृद्धि हो। उत्तर प्रदेश में 50 प्रतिशत राज्य सरकार का ऐसा बजट है जो बेकार होने जा रहा है। सदभाव की स्थिति पर कहा कि संभल, कुशीनगर में बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के मस्जिद गिरा दी गई। आंगनबाड़ी को किट वितरित करने पर बोले कि अरब देशों को खुश करने के लिए वितरण कर रहे हैं। सरकार की आंखों के तारे आईएएस अभिषेक प्रकाश कमीशनखोरी में फंस गए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में ऐसा कोई विभाग नहीं है, जहां कमीशनखोरी न हो। सरकार अल्पसंख्यकों पर दबाव बना रही है। कह रही है दबकर और डरकर रहना पड़ेगा। किसी की कब्र की खुदाई कराकर देश को आगे नहीं बढ़ा सकते। औरंगजेब की कब्र को ढूंढने वाले चंगेज खान की कब्र को भी ढूंढे।

छह अस्पतालों पर की छापेमारी, नहीं मिले चिकित्सक

संवाददाता–संतकबीरनगर।

जिले में मुख्य चिकित्साधिकारी के द्वारा गठित टीम ने जिले के छह नर्सिंग होम पर औचक निरीक्षण किया। इस दौरान इन अस्पतालों पर जिन चिकित्सकों के नाम पर अस्पताल का पंजीकरण करवाया गया था वे मौजूद नहीं मिले। जिसपर टीम ने अस्पताल पर नोटिस चस्पा कर तीन दिन के अंदर पक्ष रखने का समय दिया है। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राम रतन, एसीएमओ डॉ. शैलेंद्र कुमार, डॉ. मुबारक अली, राकेश प्रसाद व शशि शर्मा ने बखिरा कस्बा में स्थित अहमद नर्सिंग होम व हरदी स्थित एमजीएल हॉस्पिटल पर जांच की गई। इस दौरान अस्पताल खुले रहे। मरीज भी भर्ती रहे, लेकिन न तो प्रशिक्षित स्टाफ न संबंधित चिकित्सक मौजूद रहे।

तापमान बढ़ने के साथ ही जिले की बिजली आपूर्ति, मुश्किल में उपभोक्ता

संवाददाता–अम्बेडकरनगर।

तापमान में वृद्धि होते ही जिले में बिजली आपूर्ति पूरी तरह से बेपटरी हो गई है। अघोषित बिजली कटौती व बार बार की ट्रिपिंग ने उपभोक्ताओं की समस्याएं बढ़ा दी हैं। सुचारू बिजली उपलब्ध कराने के पावर कार्पोरेशन के दावे पूरी तरह से खोखले साबित हो रहे हैं। कहीं केबल जवाब दे रहे, तो कहीं ओवरलोडेड चल रहे ट्रांसफार्मर जवाब दे रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि इसी प्रकार की व्यवस्था रही, तो आने वाले दिनों में बिजली समस्या विकराल रूप ले सकती है। गर्मी धीरे धीरे बढ़ने लगी है। दिन के तापमान के साथ साथ रात के तापमान में भी तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। गर्मी प्रारंभ होने से पहले ही पावर कार्पोरेशन ने उपभोक्ताओं को सुचारू बिजली उपलब्ध कराने के बढ़ चढ़कर दावे किए थे, लेकिन गर्मी की शुरुआत में ही उसके दावे पूरी तरह से खोखले साबित हो रहे हैं। अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मौजूदा समय में अघोषित बिजली कटौती हो रही है। शहरी क्षेत्र में वैसे तो 24 घंटे बिजली दिए जाने के निर्देश हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि मौजूदा समय में अकबरपुर के उपभोक्ताओं को मुश्किल 15 घंटे ही बिजली मिल पा रही है। इसमें भी बार बार की ट्रिपिंग का सामना करना पड़ रहा है। धूप में बढ़ती तपिश के चलते कहीं केबल जल रहा, तो कहीं ओवरलोडेड चल रहे ट्रांसफार्मर जवाब दे रहे हैं। अकबरपुर के मीरानपुर, मुरादाबाद, पेवाड़ा, शहजादपुर समेत अन्य मोहल्लों में सुबह से ही बिजली आपूर्ति बेपटरी हो गई। शाम तक कई बार बिजली आई गई। इससे उपभोक्ताओं को कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ा। इस प्रकार की समस्या सिर्फ शहरी क्षेत्रों में ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में और भी अधिक हो गई है। ग्रामीणों को बमुश्किल 10 घंटे भी बिजली नहीं मिल रही। इससे उपभोक्ताओं के साथ साथ किसानों को भी मुश्किलें होने लगी हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि जब गर्मी की शुरुआत में ही ऐसा हाल है, तो जब गर्मी बढ़ेगी, तो बिजली आपूर्ति का हाल क्या होगा। यदि समय रहते ठोस कदम पावर कार्पोरेशन के जिम्मेदारों ने ठोस कदम नहीं उठाए, तो समस्या और भी बढ़ जाएगी।

अकबरपुर के दीपकुमार व संदीप ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि पावर कार्पोरेशन को चाहिए कि वह दावा करने के बजाए सुचारू बिजली उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए। जर्जर हो चुके उपकरणों को समय रहते बदले जाएं और ओवरलोडेड ट्रांसफार्मर की क्षमता बढ़ाई जाए। शहजादपुर के सादिक व सुरेश ने कहा कि जब तक जर्जर हो चुके उपकरणों को नहीं बदला जाएगा, तब तक सुचारु बिजली उपलब्ध नहीं कराई जा सकेगी। टांडा के रोशनलाल व भीटी के मंजीत ने कहा कि जब गर्मी की शुरुआत में बिजली का यह हाल है, तो आने वाले दिनों में क्या हाल होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो समस्याएं और भी बढ़ जाएंगी। उधर अधिशाषी अभियंता बिजली अशीष कुमार ने बताया कि उपभोक्ताओं को सुचारु बिजली उपलब्ध कराने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी रमेश चन्द्र चौधरी पुत्र स्व0 श्री हरीराम चौधरी ग्राम–मूडघाट पोस्ट– गांधीनगर जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे पुत्र का नाम आधारकार्ड में सूर्यांश हो गया है। इसे बदलकर वेद चौधरी पुत्र रमेश चन्द्र चौधरी कराया जाय।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 55/2025
विनीत पाल–सायल
1. विनीत पाल उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र स्व0 श्री कुमार जीतेन्द्र पाल 2. श्रीमती कलावती देवी उम्र लगभग 78 वर्ष पत्नी स्व0 श्री विन्ध्येव निवासी बस्ती खास (रानी पोखरा) पोस्ट पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती उ0प्र0

तारीख पेशी 30–04–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 30–04–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 57/2025
नीरा देवी–सायला
1. नीरा देवी पत्नी स्व0 रामदास उम्र लगभग 61 वर्ष साकिन ग्राम चमरौहा सियरापार तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–04–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 17–04–2025 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त मूसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतर्फा (आर्डर 9 कायदा 13)
अदालत–श्रीमान जनपद न्यायाधीश महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सिविल अपील सं0– 63/2024
जयराज यादव
बनाम
श्रीमती दर्शना देवी आदि
1. श्रीमती दर्शना देवी उम्र लगभग 48 साल पत्नी गजराज यादव साकिन गोटवा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम साकिन गौरा तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. श्रीमती गीता यादव उम्र लगभग 42 साल पत्नी रविशंकर साकिन गोटवा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती हाल मुकाम चिलवनिया (मुस्तहकम बरार) तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
–रेस्पाण्डेण्टगण प्रथम वर्ग
3. जगदीश यादव उम्र लगभग 57 साल 4. रविशंकर यादव उम्र लगभग 55 साल पुत्रगण रामदुलारे साकिन गोटवा तप्पा गनेशपुर परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–रेस्पाण्डेण्टगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 15–04–2025

हरगाह मुद्दआलेह मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुक्म मुशहर मन्सूखी डिग्री एकतरफा मुवरिखा जो साकिन मजकूरूसदर में साबित हो चुकी है पेश की है। लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस में बतारीख 15 माह 04 सन 2025 या बजरिये वकील अदालत हाजा या बजरिये मुख्तार मजाज हुक्म जाप्ता और वाकिफ हाजा मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) हाजिर करें कि नामसुद्दई की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान नवम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 596/2013
राज कुमार
बनाम
सीमा देवी आदि
1. अनिल कुमार उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र नेबूलाल 2. सुशीला उम्र करीब 70 वर्ष पुत्री नेबूलाल 3. बदामा उम्र करीब 65 वर्ष पुत्री नेबूलाल 4. मीरा उम्र करीब 60 वर्ष पुत्री नेबूलाल 5. मन्जू उम्र करीब 42 वर्ष पुत्री नेबूलाल साकिनान मौजा बभनगांवा कला तप्पा गौर परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती डाकखाना पिकौरा

तारीख पेशी 01–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 37/2014
बाबूलाल
बनाम
बंशराज आदि
1/1 नरपत पुत्र स्व0 बंशराज उर्फ हंसराज 1/2 विन्दवासिनी पत्नी अज्ञात पुत्री स्व0 बंशराज उर्फ हंसराज 1/3 रेखा पत्नी अज्ञात पुत्री स्व0 बंशराज उर्फ हंसराज साकिनान नकटीदेई बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–04–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 938/2022
कृष्णचन्द्र श्रीवास्तव आदि
बनाम
विजय आनन्द आदि
1. विजय आनन्द 2. विशाल श्रीवास्तव 3. विकास श्रीवास्तव पुत्रगण गुलाब चन्द्र 4. श्रीमती सुलोचना देवी पत्नी गुलाबचन्द्र साकिनान मुहल्ला बेलवाडाड़ हाल मुकाम विशुनपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5. मुकेश कुमार श्रीवास्तव 6. राजेश कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण कृष्ण बिहारी 7. श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव पत्नी उमेश चन्द्र श्रीवास्तव 8. खुशी श्रीवास्तव पुत्री उमेश चन्द्र श्रीवास्तव 9. स्नेहा श्रीवास्तव 10. प्रखर श्रीवास्तव नावालिगान पुत्रगण उमेश चन्द्र श्रीवास्तव संरक्षिका सुनीता श्रीवास्तव माता खुद साकिनान मुहल्ला बेलवाडाड़ हाल मुकाम विशुनपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 17–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दालेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–422/1984
हरि प्रसाद आदि
बनाम
शुभकरन आदि
4/1/1 श्रीमती प्रभावती उम्र 72 साल पत्नी कल्पनाथ 4/1/2 केशरी नन्दन उम्र 45 साल 4/1/3 घनश्याम उम्र 42 साल पुत्रगण कल्पनाथ 4/1/4 बिन्दू उम्र 52 साल 4/1/5 इन्दू उम्र 44 साल 4/1/6 विजय उम्र 40 साल पुत्रीगण कल्पनाथ निवासीगण ग्राम पकरीभीखी तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील सोनहा जिला बस्ती

तारीख पेशी 24–04–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 24 माह 04 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।
बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 1354/2023
शिवराम
बनाम
शिवदास आदि
2. शिव प्रकाश उम्र 62 साल 3. ओम प्रकाश उम्र 58 साल पुत्रगण राम स्वारथ साकिनान मौजा फेरहसन तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया पोस्ट गोविन्दपारा जिला बस्ती

तारीख पेशी 29–05–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालात से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

कार्यालय संभागीय उपनिदेशक (प्रशासन/विपणन)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0 नवीन मण्डी स्थल– बस्ती।

पत्रांक–ई0 निविदा/2025–584 दिनाँकः 27. 03. 2025

-:अति अल्पकालीन ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचनाः-

रबी विपणन वर्ष 2025–26 में संभाग की मंडी समितियों में संचालित गेहूं क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्य हेतु ठेकेदारों की नियुक्ति हेतु इस कार्यालय के पत्रांक 539 दिनाँक 28 फरवरी, 2025 द्वारा दिनांक 18.3.2025 एवं पत्रांक 568 दिनांक 18.3.2025 द्वारा दिनांक 26.3.2025 को आमंत्रित ई–निविदायें जिनके टेण्डर आई0डी0 कमशः 2025_RKUMP_1012378_3, 2025_RKUMP_1012373_3, 2025_RKUMP_1012369_3, 2025_RKUMP_1012165_3, एवं 2025_RKUMP_1012239_3, पर कोई भी निविदा प्राप्त न होने के कारण उक्त ई–निविदायें दिनाँक 04.04. 2025 को पुनः आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनाँक 04.04.2025 को 11.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। जो उसी दिन अर्थात दिनाँक 04.04.2025 को अपरान्ह 13.00 बजे सम्भागीय कार्यालय में खोली जायेंगी। शेष नियम व शर्ते यथावत रहेंगी।

(ज्योति यादव)
उप निदेशक (प्रशासन/विपणन)

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com